रचना विभाग

- पत्रलेखन (व्यावसायिक /कार्यालयीन)
- कहानी लेखन
- गद्य आकलन
- प्रसंग वर्णन / वृत्तांत लेखन
- विज्ञापन
- निबंध

पत्रलेखन

कार्यालयीन पत्र

कार्यालयीन पत्राचार के विविध क्षेत्र :-

* बैंक, डाकविभाग, विद्युत विभाग, दूरसंचार, दूरदर्शन आदि से संबंधित पत्र
* महानगर निगम के अन्यान्य / विभिन्न विभागों में भेजे जाने वाले पत्र
* माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल से संबंधित पत्र
* अभिनंदन/प्रशंसा (किसी अच्छे कार्य से प्रभावित होकर) पत्र लेखन करना ।
* सरकारी संस्था द्वारा प्राप्त देयक (बिल आदि) से संबंधित शिकायती पत्र

व्यावसायिक पत्र

व्यावसायिक पत्राचार के विविध क्षेत्र :-

* किसी वस्तु/सामग्री/ पुस्तकें आदि की माँग करना ।
* शिकायती पत्र - दोषपूर्ण सामग्री/ चीजें/ पुस्तकें/ पत्रिका आदि प्राप्त होने के कारण पत्रलेखन
* आरक्षण करने हेतु (यात्रा के लिए) ।
* आवेदन पत्र - प्रवेश, नौकरी आदि के लिए ।

प्रशंसा पत्र

प्रशंसनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में

उद्यान विभाग प्रमुख

अनुपयोगी वस्तुओं से आकर्षक तथा उपयुक्त वस्तुओं का निर्माण - उदा. आसन व्यवस्था, पेय जल सुविधा, स्वच्छता गृह आदि ।

अभिनंदन/प्रशंसा पत्र

प्रशंसनीय कार्य के उपलक्ष्य में

बस स्थानक प्रमुख

ब्रेक फेल होने के बाद चालक ने अपनी समयसूचकता तथा होशियारी से सभी यात्रियों के प्राण बचाए ।

कहानी लेखन

* मुद्दों के आधार पर कहानी लेखन करना ।
* शब्दों के आधार पर कहानी लेखन करना ।
* किसी कहावत, सुवचन, मुहावरे, लोकोक्ति पर आधारित कहानी लेखन करना ।

मुहावरे, कहावतें, सुवचन, लोकोक्तियाँ

मुहावरे–

* आँखों पर परदा पड़ना ।
* एड़ी-चोटी का जोर लगाना ।
* रुपया पानी की तरह बहाना ।
* पहाड़ से टक्कर लेना ।
* जान हथेली पर धरना (रखना) ।
* लकीर का फकीर होना ।
* पगड़ी सँभालना ।
* काला अक्षर भैंस बराबर ।
* घाट-घाट का पानी पीना ।
* अकल के घोड़े दौड़ाना ।
* पत्थर की लकीर होना ।
* भंडाफोड़ करना ।
* रंगा सियार होना ।
* हाँ में हाँ मिलाना

लोकोक्तियाँ तथा कहावतें

* अंधों में काना राजा ।
* ओखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर ।
* चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए ।
* जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि ।
* अंधा बाँटे रेवड़ी अपने कुल को देय ।
* अंधेर नगरी चौपट राजा ।
* आँख और कान में चार अंगुल का अंतर है ।
* अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत ।
* हाथ कंगन को आरसी क्या ?
* चोर की दाढ़ी में तिनका ।
* कोयले की दलाली में हाथ काला ।
* अधजल गगरी छलकत जाए ।
* निंदक नियरे राखिए ।
* ढाक के तीन पात ।

सुवचन

* वसुधैव कुटुंबकम् ।
* सत्यमेव जयते ।
* पेड़ लगाओ, पृथ्वी बचाओ ।
* जल ही जीवन है ।
* पढ़ेगी बेटी तो सुखी रहेगा परिवार ।
* अनुभव महान गुरु है ।
* बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ।
* अतिथि देवो भवः ।
* राष्ट्र ही धन है ।
* जीवदया ही सर्वश्रेष्ठ है ।
* असफलता सफलता की सीढ़ी है ।
* श्रम ही देवता है ।
* राखौ मेलि कपूर में, हींग न होत सुगंध ।
* करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखिए तथा उसे उचित शीर्षक देकर उससे प्राप्त होने वाली सीख भी लिखिए :

१) एक लड़की ——— विद्यालय में देरी से पहुँचना ——— शिक्षक द्वारा डाँटना ——— लड़की का मौन रहना ——— दूसरे दिन समाचार पढ़ना ——— लड़की को गौरवान्वित करना ।

२) मोबाइल ——— लड़का ——— गाँव ——— सफर ———

❊ प्रश्न निर्मिति के लिए निम्नलिखित प्रश्नचार्ट उपयुक्त हो सकता है ।

प्रश्नचार्ट–

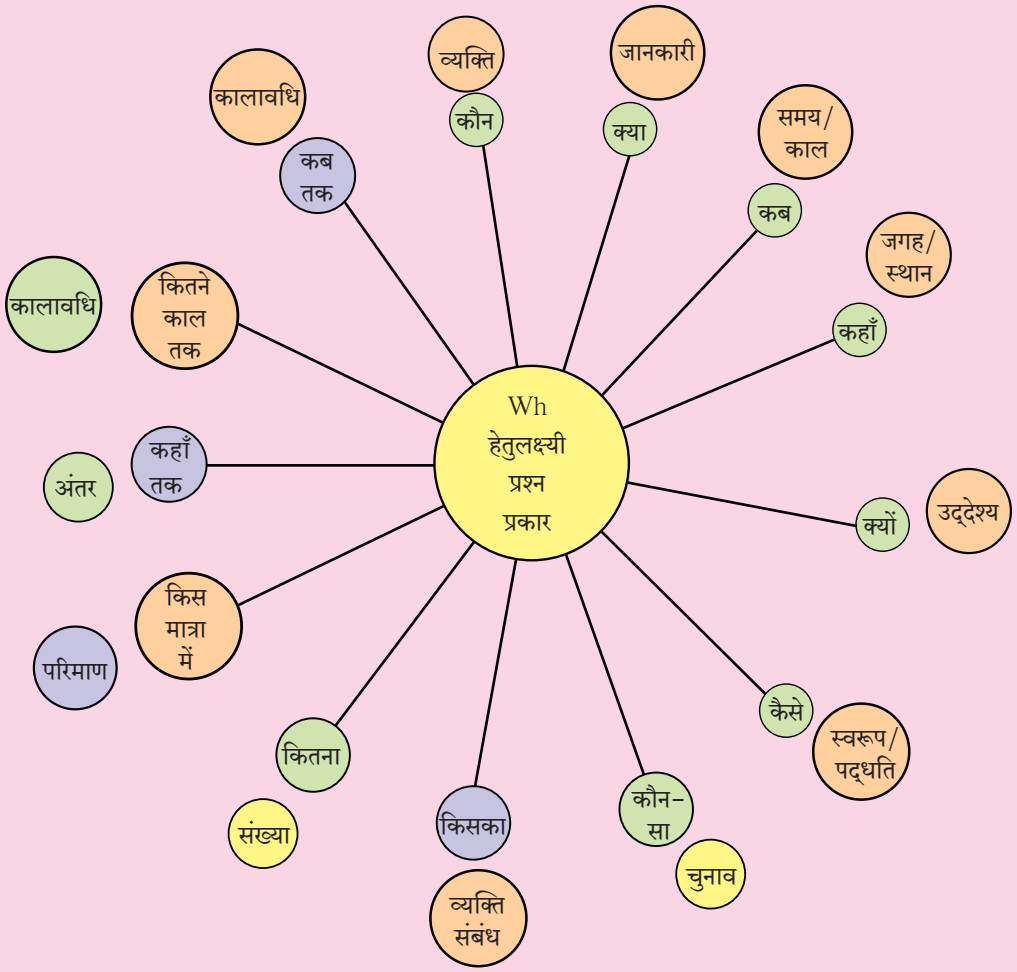

गद्य आकलन (प्रश्न तैयार करना)

निम्नलिखित गद्यांश पर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो ।

किसी भी देश की संपत्ति उस देश के आदर्श विद्यार्थी ही होते हैं । विद्यार्थियों का चरित्र ही राष्ट्र की संपत्ति होता है । वह समय का मूल्यांकन करना जानता है । वह बैटिंग, सिनेमा, मोबाइल एवं अन्य मनोरंजनों में आवश्यकता से अधिक लिप्त नहीं होता है । उसके सामने सदा मंजिल रहती है और उसे ज्ञात है कि इन प्रलोभनों के वश में न होकर परिश्रम, तप, त्याग और साधना के कटंकाकीर्ण पथ पर चलकर ही वह कुछ बन सकता है । परिवार के लिए, समाज के लिए, राष्ट्र के लिए एवं समूचे विश्व के लिए वह तभी कुछ करने की क्षमता प्राप्त कर सकता है जब वह अपनी सर्वांगीण उन्नति करने का सामर्थ्य रखता हो ।

वह विद्यारूपी समुद्र का मंथन करके ऐसे मोती प्राप्त कर सकता है जो आज तक अनबिद्ध रहे हों ।

प्रश्न–

(१) किसी भी देश की संपत्ति कौन होते हैं ?

(२) विद्यार्थी क्या करना जानता है ?

(३) विद्यार्थी किसके लिए कुछ क्षमता प्राप्त कर सकता है ?

(४) विद्यार्थी किस प्रकार के मोती प्राप्त कर सकता है ?

(५) आप इस गद्यांश को कौन-सा शीर्षक देना उचित समझेंगे ?

● वृत्तांत लेखन

अपनी पाठशाला में मनाए गए 'वाचन प्रेरणा दिवस/हिंदी दिवस/विज्ञान दिवस/राजभाषा दिवस/ शिक्षक दिवस/ वसुंधरा दिवस/ क्रीड़ा दिवस आदि का वृत्तांत रोचक भाषा में लिखिए । (लगभग ६० से ८० शब्दों में)

● प्रसंग वर्णन

निम्नलिखित जानकारी पढ़कर उससे संबंधित प्रसंग लगभग ६० से ७० शब्दों में लिखिए ।

(१) कूड़ेदान से कूड़ा-कचरा आसपास फैला हुआ है, उसी में कुछ आवारा कुत्ते तथा अन्य जानवर घूम रहे हैं साथ ही कुछ गाए प्लास्टिक की थैलियों को चबा-चबा कर खा रही हैं ।...

❊विज्ञापन❊

निम्न विषयों पर विज्ञापन तैयार किए जा सकते हैं ।

(१) वस्तुओं की उपलब्धि :– नवनिर्मित (किसी भी वस्तु संबंधी)
जैसे- किताबें, कपड़े, घरेलू आवश्यक वस्तुएँ, उपकरण, फर्नीचर, स्टेशनरी, शालोपयोगी वस्तुएँ तथा उपकरण आदि ....

(२) शैक्षिक :– शिक्षा में संबंधित योगासन तथा स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छ, सुंदर शुद्ध लिखावट, चित्रकला, इंटरनेट तथा विविध ऐप्स आदि कलाओं से संबंधित अभ्यास वर्ग, व्यक्तित्व विकास शिविर आदि -

(३) आवश्यकता :– वाहक-चालक, सेवक, चपरासी, द्वारपाल, सुरक्षा रक्षक, व्यवस्थापक, लिपिक, अध्यापक, संगणक अभियंता, आदि .....

(४) व्यापार विषयक :– दूकान, विविध वाहन, उपकरण, मकान, मशीन, गोदाम, टी. वी., संगणक, भूखंड, रेफ्रीजरेटर आदि

(५) मनोरंजन तथा ज्ञानवर्धन :– व्याख्यानमाला, परिसंवाद, नाटक वार्षिकोत्सव, विविध विशेष दिनों के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम समारोह आदि.....

(६) पर्यटन संबंधी :– यात्रा विषयक, आरक्षण आदि

(७) वैयक्तिक :– श्रद्धांजली, शोकसंदेश, जयंती, पुण्यतिथि, गृहप्रवेश, बधाई आदि

निबंध लेखन

निबंध

वैचारिक	वर्णनात्मक	कल्पनाप्रधान	चरित्रात्मक	आत्मकथात्मक
(१) सेल्फी : सही या गलत	विज्ञान प्रदर्शनी का वर्णन	यदि श्यामपट बोलने लगा	मेरा प्रिय रचनाकार	भूमिपुत्र की आत्मकथा
			मेरे आदर्श	
(२) अकाल : एक भीषण समस्या	नदी किनारे एक शाम	यदि किताबें न होतीं		मैं हूँ भाषा

विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए हस्तकला तथा चित्रकला की वस्तुओं की प्रस्तुति करने के लिए विज्ञापन

- विशेषताएँ तथा उद्देश्य
- स्थान, समय, तिथि